卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 44 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦21 नवम्बर 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

सुरंग में पहुंचा कैमरा, श्रमिकों के चेहरे खिले

पाईपलाईन से श्रमिकों तक खाना और फल भी पहुंचाए, प्रधानमंत्री ने फिर लिया अपडेट

उत्तरकाशी(उद संवाददाता)। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकालने के लिए बचाव अभियान 10वें दिन भी जारी है। मंगलवार को अभियान में मजदूरों को बड़ी राहत मिली। एंडोस्कोपिक कैमरा मंगलवार को पाइप के जरिये भीतर पहुंचाया गया। इस दौरान कैमरे से टनल के भीतर फंसे हुए सभी 41 मजदूर दिखाई दिए। कैमरा पहुंचते ही मजदूरों के चेहरे खिल उठे। तस्वीरों में सभी मरीज सुरक्षित दिखे हैं। मजदूरों से अधिकारियों ने बात भी की। मंगलवार को मजदूरों को पाईप के जरिये फल भी पहुंचाए गये। मजदूरों में अब उम्मीद जग गई है कि उन्हें जल्द ही बाहर निकाल लिया जाएगा। बता दें दिवाली के दिन भूस्खलन से 41 मजदूर सुरंग के अंदर फंस गये थे। जिन्हें निकालने के लिए लगातार अभियान जारी है। अभियान में अब तक कई बार अड़चनें आ चुकी है। राज्य से लेकर केंद्र तक के कई संगठन एक साथ रेस्क्यू में जुटे हैं। सोमवार को मजदूरों की स्थिति देखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था, पर अंदर धूल होने से तस्वीरें साफ नहीं आ पाई थीं। सोमवार देर शाम टीम ने छह इंच का दूसरा (शेष पृष्ठ सात पर)

रेस्क्यू अभियान के लिए तीन अधिकारियों को भेजा उत्तरकाशी

देहरादून। उत्तरकाशी में टनल में फंसे श्रमिकों के राहत एवं बचाव कार्यों एवं कानून व्यवस्थाओं के विभिन्न कार्यों के संपादन के लिए हरिद्वार के डिप्टी कलेक्टर मनीष कुमार और जिला पूर्ति अधिकारी तेजबल सिंह और जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा को तत्काल प्रभाव से उत्तरकाशी तैनात किया गया है।गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने इसके आदेश जारी किए हैं।

हिमाचल में श्रमिकों को सुरंग से बचा चुकी विशेषज्ञ टीम भी पहुंची उत्तरकाशी

उत्तरकाशी। हिमाचल के कीरतपुर-नैरचोक-मनाली फोर लेन हाईवे की सुरंग से मजदूरों को ड्रिल करके बचाने वाली एसजेवीएनएल की विशेषज्ञ टीम भी सिलक्यारा पहुंच चुकी है। टीम के अधिकारियों ने कहा मशीन सेटअप होने के दो से तीन दिन के भीतर करीब 90 मीटर ड्रिल करके मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। बता दें वर्ष 2015 में कीरतपुर-मनाली हाईवे की सुरंग में भी हादसा होने के बाद दो मजदूर फंस गए थे। उस हादसे में दो मजदूर फंसे थे। इन्हें बचाने के लिए एसजेवीएनएल ने ड्रिल मशीन सुरंग के ऊपर लगाई थी, जिससे करीब 47 मीटर तक ड्रिल करने के बाद मजदूरों को बचाया गया था। एसजेवीएनएल ने बैकअप के साथ तीन मशीनें यहां मंगाई हैं। इस मशीन से 1.2 मीटर व्यास की ड्रिल की जाएगी, जिससे आसानी से मजदूरों को बाहर निकाला जा सकेगा। मशीन ऊपर पहुंचने के बाद करीब 24 घंटे में सेट हो (शेष पृष्ठ सात पर)

होटल के कमरे में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

नैनीताल घूमने की बात कहकर घर से घर से निकला था बदांयू निवासी युवक

किच्छा(उद संवाददाता)। दरऊ रोड स्थित एक होटल में बदायूं निवासी युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मुजाहिदपुर थाना शेखपुरा जिला बदायूं निवासी 24 वर्षीय जगत पुत्र लाल सिंह ने यहां दरऊ रोड स्थित एक होटल में कमरा लिया था। रात्रि में वह कमरे में चला गया। प्रात: काफी देर तक जब कमरा नहीं खुला तो होटल के कर्मचारियों ने उसे उठाया गया तो लेकिन कमरा नहीं खुला। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई जिस पर पुलिस ने दरवाजा खोलकर देखा तो जगत ने फांसी लगा ली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। बताया जाता है कि मृतक अपने परिजनों को नैनीताल घूमने की बात कह कर घर से निकला था। मृतक ने किन कारणों से आत्महत्या की है इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है।

सीएम का सपना सच करने 15 किमी पैदल गए डीएम

चंपावत के दूरस्थ गांव में प्रशासनिक अमले को देख ग्रामीणों में जगी उम्मीद

■ नरेश जोशी

चंपावत। चंपावत के दूरस्थ पहाड़ी गांव जहां के लोगों ने कभी डीएम को नजदीक से भी नहीं देखा था, वहां चंपावत के डीएम नवनीत पांडे लगभग 15 किलोमीटर दूर पैदल चलकर पहुंच गए। करण गांव में वाहनों के पहुंचने का रास्ता ही नहीं था। अचानक गांव में प्रशासनिक अमले को देख लोग हैरान हो गए। बता दें चंपावत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विधानसभा क्षेत्र है। उप चुनाव लड़ने चंपावत पहुंचे सीएम धामी ने लोगों को विश्वास दिलाया था कि विकास को गांव के अंतिम छोर तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही सीएन पुष्कर सिंह धामी चंपावत को उत्तराखंड प्रदेश का आदर्श जिला बनाने को लेकर लगातार जिलाधिकारी चंपावत से संपर्क करते रहते हैं। यही बड़ा कारण है कि जिलाधिकारी नवनीत पांडे चंपावत जनपद के तमाम ग्रामीण क्षेत्र का लगातार भ्रमण करते रहते हैं। इधर जिलाधिकारी नवनीत पांडे के साथ चंपावत जिले का प्रशासनिक अमला चंपावत जिले की उप तहसील मंच के सीमांत गांव बकोड़ा के साथ-साथ अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचना था। अभी डीएम नवनीत पांडे का प्रशासनिक अमला अपने लक्ष्य से लगभग 15 किलोमीटर दूर था। जानकारी मिली कि मंच के उप तहसील बकोड़ा गांव पैदल ही जाना होगा क्योंकि गांव तक सड़क नहीं बनी है जिस पर जिलाधिकारी (शेष पृष्ठ सात पर)

किराये हेतु

डॉक्टर कालोनी, सिविल लाईन रूद्रपुर पहली गली में स्थित 25x75 के दो नर्सिंग होम किराये हेतु खाली हैं, जिसमें आई साइट हॉस्पिटल एवं मान्या आयुर्वेदिक सेन्टर चल रहा है।

&%lEidl dj%&
9897067700
9897683006

सात किमी हॉटमिक्स सड़क का निर्माण शुरू

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। विधायक शिव अरोरा ने राज्य योजना से स्वीकृत सात किलोमीटर लम्बे मोदी मैदान के पास खेड़ा से - गंगापुर रोड मार्ग के निर्माण का नारियल फोड़कर फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने कहा यह मार्ग बहुत बड़ी आबादी को लाभ देने वाला मार्ग है। जहाँ बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं और यह मार्ग पिछले दस साल से खस्ता हालत में था जिस कारण मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती थी। इसके निर्माण से जहां आवागमन सुलभ होगा और जनता के उपयोग की दृष्टि से यह मार्ग क्षेत्र के लोगो के लिये और अधिक उपयोग में आ सकेगा। विधायक शिव अरोरा ने कहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में लगातार रुद्रपुर विधानसभा में बड़े बड़े कार्य अस्तित्व में आने को है । यह रोड भी 4 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाली है। बिगवाड़ा दक्ष चोक, आवास विकास और काशीपुर बाईपास रोड के लिये वित्तीय स्वीकृति के लिये प्रस्ताव भेज दिया है। इन कार्यों की भी जल्द टेंडर प्रक्रिया करवाकर निर्माण शुरू करवाया जायेगा। उन्होंने कहा क्षेत्र में लगभग शहरी और ग्रामीण मिलकर 25 बड़े रोड के कार्य या तो निर्माण जारी है या टेंडर में लगे हुए हैं जिनके अस्तित्व में आने से क्षेत्र की (शेष पृष्ठ सात पर)

प्रतिबंधित नशे के इंजेक्शनों के साथ एक गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक नशा तस्कर को 14 प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शनों के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक ललित चौधरी साथी पुलिस कर्मियों का. दिनेश चन्द्र व राकेश खेतवाल के साथ क्षेत्र में गश्त करते हुए शिवनगर पीली कोठी के पास पहुंचे तो कुछ दूरी पर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस को देख वह वापस मुड़कर जाने लगा। संदेह होने पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम पता विजय विश्वास उर्फ बिरजू पुत्र गोपाल विश्वास निवासी वार्ड 8, पीली कोठी के (शेष पृष्ठ सात पर)

ऑनलाईन 1.48 लाख की ठगी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात साईबर ठगों ने ऑन लाईन धोखाधडी कर एक व्यक्ति के खाते से 1.48 लाख रूपये निकाल लिए। मामले की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में रणधीर कुमार राय निवासी रायल रीडेंसी ने कहा है कि 1 सितम्बर 2023 को उसके पास व्हाट्स एप पर मैसेज आया। ऑंसाइन काम का लालच देकर अज्ञात व्यक्ति ने उससे पहला 500 रूपये का ट्रांजेक्शन कराया और उसके बाद लगभग 148830 रूपया का ट्रांजेक्शन धोखाधडी से करवा कर निकाल लिए। जबकि उसके खाते में एक रूपया भी नही मिला । पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

10वें दिन सबकी जान में आयी जान

अंतर्राष्ट्रीय टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स भी सिलक्यारा पहुँचे, बौखनाग देवता को भी किया प्रणाम
फूड पाईप मजदूरों तक पहुंचाया,टनल के ऊपर पहुंचाई जाएंगी ड्रिलिंग मशीन, तेज हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन

सिलक्यारा(उत्तरकाशी)। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकालने के लिए बचाव अभियान आज 10वें दिन भी जारी है। सोमवार देर शाम टीम को सफलता मिली और छह इंच का दूसरा फूड पाइप मजदूरों तक पहुंचा दिया गया। देर शाम इसी पाइप से उन्हें खाने के लिए खिचड़ी और मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर भेजे गए थे। उत्तरकाशी जिले में निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने हेतु चलाये जा रहे अब तक के सबसे जटिल और भूगर्भीय रेस्क्यू अभियान में सहयोग करने हेतु सोमवार को भारत सरकार के आग्रह पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स भी सिलक्यारा पहुँचे। राज्य सरकार के केंद्रीय संगठनों से रेस्क्यू अभियान में समन्वय के नोडल अधिकारी और सचिव डॉ. नीरज खैरवाल, एनएचएआईडीसीएल के एमडी महमूद अहमद, निदेशक अंशु मनीष खलखो, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स के साथ विचार विमर्श कर रेस्क्यू अभियान की रणनीति पर चर्चा की। दुनिया के सबसे कुसल टनल भू वैज्ञानिक ऑस्ट्रेलिया के आर रोनाल्ड उत्तरकाशी पहुँच चुके है, ओर काम करने से पहले छेत्रपाल देवता बोखनाथ जी की पूजा की सर जमीन पर लगा कर प्रणाम किया। वह उत्तरकाशी मे टनल कार्य कर चुके है देवभूमि मे रहने की वजह से वो भी जानते है इस भूमि से देवताओं की मान्यता कितनी है। बहरहाल 6इंच का पाइप अंदर तक पहुंच गया है मजदूरों को अब पका हुआ भोजन मिल पायेगा। उन्होंने ने साफ कहा है उनको निकालने के हाथ से भी मिट्टी खोदनी पड़ सकती है, 6 दिन का उन्होंने टाइम मांगा है। पर पक्का हुआ भोजन पोंछने लगा है तो अब उतनी दिकत नही। उनके आने से सबकी जान मे जान आयी है, क्योकी वो हिमालय की मिट्टी मिट्टी जानते है और टनल मे उन्हें महारथ हासिल है। मीडिया से बातचीत में प्रो. डिक्स ने कहा, हम सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कहा, जो स्थान चुना गया है, वह सुरंग के मुख्य द्वार से 320 मीटर दूरी पर है, जहां से करीब 90 मीटर ड्रिल करने के बाद मजदूरों तक पहुंचा जा सकेगा। बताया, यहां भूगर्भीय स्थिति अनुकूल पाई गई है। उनके साथ एसजेवीएनएल और आरवीएनएल के विशेषज्ञों ने भी मौका मुआयना किया। उम्मीद जताई जा रही कि मंगलवार को दोनों कंपनियों की मशीन यहां पहुंच जाएंगी और अगले 30 घंटे में उनसे ड्रिल का काम शुरू हो जाएगा। एसजेवीएन के अधिकारी जसवंत कपूर ने बताया, उनकी तीन मशीन यहां पहुंच रही हैं। एक मशीन शाम को पहुंच गई। बाकी दो मशीन भी यहां पहुंच जाएंगी। बताया, हमने बैकअप प्लान भी बना लिया है। मंगलवार को सुबह सभी मशीन ऊपर पहुंचाई जाएंगी। वहीं, आरवीएनएल के अपर महाप्रबंधक विजय डंगवाल ने बताया, उनकी लाइफलाइन ड्रिल मशीन मंगलवार को पहुंच जाएगी। अभी रास्ते में है। इससे मजदूरों के लिए खाद्य सामग्री, मोबाइल आदि भीतर पहुंचाया जा सकेगा। हिमाचल के कीरतपुर-नैरचोक-मनाली फोर लेन हाईवे की सुरंग से मजदूरों को ऊपर से ड्रिल करके बचाने वाली एसजेवीएनएल की विशेषज्ञ टीम सिलक्यारा पहुंच चुकी है। एसजेवीएनएल को सुरंग बनाने में खास महारत हासिल है। रेस्क्यू ऑपरेशन में भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ,बीआरओ, एनएचआईडीसीएल, उत्तराखंड पुलिस, एसजेवीएनएल, आरवीएनएल, लार्सन एंड टूब्रो, टीएचडीसी, आपदा प्रबंधन विभाग, जिला प्रशासन, ओएनजीसी, आईटीबीपी, राज्य लोनिवि, डीआरडीओ, परिवहन मंत्रालय, होमगार्ड्स आदि शामिल है।

नोडल अधिकारी डॉ. नीरज खैरवाल ने श्रमिकों के परिजनों को सुरक्षित रेस्क्यू करने का भरोसा दिलाया

उत्तरकाशी/देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सिलक्यारा सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी देते हुए कहा कि सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने का काम तेजी से चल रहा है। इस दौरान श्रमिकों के परिजनों के आवागमन एवं रहने-खाने का इंतजाम सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के परिजनों की देखभाल की जिम्मेदारी अधिकारियों को दी गई है। शासन स्तर पर भी वरिष्ठ आईएएस डॉ.नीरज खैरवाल को केंद्रीय संस्थानों, एजेंसियों और विशेषज्ञों की टीम से समन्वय की जिम्मेदारी पहले ही दी जा चुकी है। साथ ही एसडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी को पहले से ही मौके पर भेजा गया है। इसके अलावा हरिद्वार के एसडीएम मनीष सिंह, डीएसओ हरिद्वार तेजबल सिंह और डीपीएओ रुद्रप्रयाग अखिलेश मिश्रा की तैनाती भी कर दी गयी है। वहीं सिलक्यारा टनल मे रेस्क्यू कार्य तेजी से चल रहा है। दुनियाभर में भूमिगत सुरंग के निर्माण और जोखिम से निपटने की काबलियत रखने वाले अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ प्रो0 अर्नोल्ड डिक्स ने आज सिलक्यारा पहुंचकर सुरंग के अंदर और बाहर का निरीक्षण कर बचाव कार्य मे जुटी एजेंसियों से बातचीत की है। डिक्स ने भरोसा दिया कि श्रमिकों को जल्द सुरक्षित बचा लिया जाएगा। रेस्क्यू अभियान समन्वय के नोडल अधिकारी डॉ. नीरज खैरवाल, जिलाधिकारी उत्तरकाशी अभिषेक हेला एवं पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी द्वारा टनल के अन्दर फंसे श्रमिकों के परिजनों से बातचीत कर श्रमिकों के स्वस्थ होने व सभी को सुरक्षित रेस्क्यू करने का भरोसा दिलाया गया। प्रशासन द्वारा श्रमिकों की कुशलक्षेम जानने आये परिजनों के लिये रहने-खाने की व्यवस्था की गयी, सभी परिजनों को गर्म कपडे भी दिये गये है। एसपी उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि रसद, पानी व ऑक्सीजन की लगातार आपूर्ति की जा रही है। आज रेस्क्यू टीम को टनल के अंदर 6 इंच का लाइफ सपोर्ट पाइप घुसाने मे सफलता मिली है, यह पाईप न सिर्फ श्रमिकों तक सोलिड फूड पहुचाँने मददगार साबित होगा ब्लकि यह बेहतर कम्यूनिकेशन का माध्यम भी बनेगा। श्रमिकों की खुशहाली व रेस्क्यू की सफलता के लिये डीएम एवं एसपी द्वारा बौखनाग देवता की पूजा-अर्चना भी की गयी। उत्तरकाशी पुलिस के पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी श्री अनुज कुमार, सीओ बडकोट श्री सुरेन्द्र सिंह भण्डारी एवं सीओ ऑपरेशन श्री प्रशान्त कुमार साईट पर फोर्स मेनेजमेन्ट को देख रहे हैं।

मुख्य सचिव ने राज्यपाल से की मुलाकात

देहरादून(उद संवाददाता)। सोमवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु और सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल ने मुख्य सचिव और सचिव से उत्तरकाशी जनपद के सिलक्यारा के पास सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने हेतु किए जा रहे राहत और बचाव कार्यों के बारे में अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने कहा कि श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा परस्पर समन्वय और तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि विपदा की इस घड़ी में श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालना सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि सुरंग में फंसे श्रमिकों के परिजनों का भी मनोबल बनाए रखना जरूरी है। राज्यपाल ने श्रमिकों को सकुशल निकालने के लिए अभी तक किए गए प्रयासों पर भी संतोष व्यक्त किया। राज्यपाल ने फंसे हुए श्रमिकों के धैर्य और साहस की सराहना की और कहा कि वे सभी योद्धा हैं, जो इस विपरीत चुनौती का सामना कर जल्द सुरक्षित बाहर आ जाएंगे। राज्यपाल ने सभी के सकुशल बाहर निकलने की कामना की।

उत्तरकाशी पहुंचे दो रोबोट: सफलता मिलने से जगी है आशा की किरण

छः इंच के पाईप से सुरंग में बंद मजदूरों को सोया बड़ी व मटर युक्त मूंग दाल की खिचड़ी और केला खाने को मिला,ऑक्सीजन की लगातार की जा रही आपूर्ति

उत्तरकाशी। सिलक्यारा में टनल में 41 मजदूर बीते आठ दिनों से फंसे हुए हैं। जिन्हें बाहर निकालने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं। इसी बीच रेस्क्यू के लिए उत्तरकाशी दो रोबोट पहुंच चुके हैं। सिलक्यारा में टनल में फंसे मजदूरों के रेस्क्यू के लिए 20 किलो और 50 किलो वजन वाले दो रोबोट उत्तरकाशी पहुंच चुके हैं। एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशू मनीष ने बताया कि डीआरडीओ ने 20 किलो और 50 किलो वजन वाले दो रोबोट भेजे हैं। एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशू मनीष का कहना है कि रोबोट जमनी पर चलते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि रेस्क्यू के लिए लाई जा रही मशीनरी का वजन ज्यादा होने के कराण उन्हें एयरलिफ्ट नहीं किया जा सकता। इसलिए सड़क मार्ग से मशीनरी लाई जा रही है। एक से दो दिन में मशीनरी उत्तरकाशी पहुंच जाएगी। सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सही सलामत बाहर निकालने के लिए अब रेस्क्यू ऑपरेशन तेज हो गया है। जहां एक ओर आधुनिक तकनीक से इस रेस्क्यू ऑपरेशन को आगे बढ़ाया जा रहा है, वहीं अब फंसे हुए श्रमिकों के लिए नाश्ता भी तैयार हो रहा है। दरअसल, फंसे हुए श्रमिकों के पास अब खाने की सामग्री खत्म हो गई है, जिसके बाद बाहर से उन्हें खाना दिया जा रहा है। मंगलवार को सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों के लिए नाश्ता तैयार किया जा रहा है। 6 इंच की पाइप लाइन के जरिए मजदूरों तक खाना पहुंचाया जाएगा। सोमवार रात उन्हें सोया बड़ी व मटर युक्त मूंग दाल की खिचड़ी और केला खाने को मिला। ऐसा भूस्खलन के मलबे के बीच से डाले गए 57 मीटर लंबे और छह इंच मोटे स्टील के पाइप से संभव हो पाया।इस पाइप को एनएचआईडीसीएल तीसरे प्रयास में सुरंग के भीतर पहुंचा पाया। इस सफलता के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे लोगों की खूब सराहना की जा रही है। श्रमिकों तक लाइफ लाइन पहुंचाने का कार्य दीपावली के बाद से ही चल रहा है। सोमवार सुबह तीसरा प्रयास हुआ, जो सफल रहा। जब यह पाइप सुरंग में फंसे श्रमिकों तक पहुंचा तो उनकी खुशी का ठिकाना न रहा। बता दें कि लगातार सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अब बचावकर्मी वॉकी-टॉकी के जरिए फंसे हुए मजदूरों से संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं मंगलवार को ड्रिलिंग के साथ ही एक बार फिर से बचाव अभियान जारी है। बचाव दल ने सिल्क्यारा सुरंग के अंदर पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। इसी पाइप के जरिए मजदूरों को सही सलामत बाहर निकाला जाएगा।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

टनल हादसे में केंद्र और प्रदेश सरकार के आपदा प्रबंधन की खुली पोल : यशपाल

उत्तरकाशी(उद संवाददाता)। सिलक्यारा सुरंग हादसे में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एक सप्ताह से देश के लोग

और विपक्ष नैतिक रूप से इस संकट की घड़ी में सरकार और आपदा प्रबंधन में लगी एजेंसियों के साथ खड़े थे, लेकिन अब सब्र का बांध टूट रहा है। सरकार को बचाव कार्य करने के साथ जवाबदेही भी तय करनी होगी। 41 लोगों की बहुमूल्य जानों के साथ किसी को भी प्रयोग करने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। सोमवार को नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सिल्क्यारा टनल हादसे का मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि इस घटना ने न केवल प्रदेश, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी आपदा प्रबंधन की पोल खोलकर रख दी है। सरकार को साफ करना चाहिए कि करीब पांच किमी लंबी इस टनल के निर्माण के मूल प्रोजेक्ट में मलबा निकालने व बचाव के लिए एडिट टनल व एस्केप टनल का प्रावधान था भी या नहीं? अगर प्रोजेक्ट में ये प्रावधान था और कंपनी बिना एडिट टनल व एस्केप टनल के काम कर रही थी तो कंपनी पर सुसंगत धाराओं में आपराधिक मुकदमा भी दर्ज करना चाहिए। आर्य ने आरोप लगाया कि इस बड़ी परियोजना के निर्माण में मानकों और सुरक्षा के विकल्पों को स्थापित करने में निश्चित रूप से अवहेलना हुई है। इसलिए अब दुर्घटना होने के बाद विकल्पों को तलाशा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि अभी तक सरकार के पास मजदूरों को बाहर निकालने के लिए कोई ठोस प्लान सामने नहीं आया है। केवल हवा में हाथ पैर मारे जा रहे हैं। रेस्क्यू के नाम पर ए-बी-सी-डी प्लान की बात तो हो रही है, मगर अभी तक स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। माहरा ने कहा कि सुरंग के निर्माण के दौरान निर्माण कंपनी लगातार मनमानी करती रही, लेकिन सरकार की किसी एजेंसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अगर पहले सावधानी बरती गई होती तो इतनी बड़ी घटना ही नहीं होती। एनएच आईडीसीएल ने सुरंग के निर्माण का ठेका तो हासिल कर लिया, लेकिन निर्माण कार्य दूसरी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया। इस टनल का निर्माण करने वाली कंपनी पहले से ही विवादित रही है। महाराष्ट्र के ठाणे में 31 अगस्त को इसी वर्ष इस कंपनी की लापरवाही से 10 मजदूरों एवं 10 अन्य सहित कुल 20 लोगों की मौत हो गई थी, जिसकी एफआईआर तो दर्ज की गई, लेकिन उस आज तक क्या कार्रवाई हुई, किसी को पता नहीं।

एसीएस ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर दिए निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। आगामी 28 नवंबर से 1 दिसंबर तक देहरादून में होने वाली आपदा प्रबंधन की 6वीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के मद्देनजर सचिवालय में आज अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सम्मेलन की तैयारियों को लेकर कुछ जरुरी निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन हेतु सभी तैयारियों को समय रहते पूर्ण कर लिया जाए। सभी विभागों को ओनरशिप लेकर इस आयोजन को सफल बनाना है। उत्तराखंड के लिहाज से इस आयोजन का बहुत महत्व है, इसलिए तैयारियों में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभागों को चाहिए कि वे बेहतर तालमेल के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि इसके ठीक बाद दिसंबर माह में ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भी देहरादून में होने जा रही है। ऐसे में यह आयोजन उसकी रिहर्सल के तौर पर भी बेहद अहम है। अपर मुख्य सचिव ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्मेलन में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 600 डेलिगेट्स आ रहे हैं इसलिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाए।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

श्री गुरूनानक डिग्री कॉलेज में निशान साहिब पर चढ़ाया चोला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गुरूनानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरूनानक डिग्री कॉलेज, प्रीत विहार, रूद्रपुर के प्रांगण में निशान साहिब पर चोला चढ़ाया गया । इस दौरान रागी के द्वारा भजन कीर्तन गाया गया एवं गुरूघर के वजीर ग्रन्थी सिंह द्वारा एवं प्रबंध तंत्र द्वारा धार्मिक आस्था के साथ संस्थान की तरक्की के लिए अरदास की गयी तत्पश्चात आये हुए अतिथियों द्वारा लंगर भी चखा गया एवं धन्यवाद दिया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा समिति के अध्यक्ष स0 दिलराज सिंह, प्रबंधक स0 गुरमीत सिंह, संस्थान के उपाध्यक्ष स0 वीरपाल सिंह, प्रबंधक स0 मंजीत सिंह, कोषाध्यक्ष स0 किरनदीप सिंह विर्क, सदस्य करनैल सिंह, स0 हरी सिंह, स0 हरभजन सिंह, गुरूनानक बालिका इण्टरमीडिएट कॉलेज की प्रधानाचार्या एवं प्राध्यापकगण, गुरूनानक पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या एवं प्राध्यापकगण, गुरूनानक हायर सेकेण्डरी सकूल की प्रधानाचार्या एवं प्राध्यापकगण, संस्थान की प्राचार्या डॉ0 भावना कपूर, विभागाध्यक्ष डॉ0 विनीता पाण्डे, बी0एड0 विभागाध्यक्ष डॉ0 नीरज कुमार जायसवाल, श्रीमती असमीत कौर सेठी, संदीप त्रिपाठी, गौरव मिश्रा, संजय कुमार, श्रीमती प्रिया गुप्ता, डॉ0 रजनी छिम्वाल, डॉ0 रूपाली सक्सेना, डॉ0 परविन्दर कौर, डॉ0 नाजिया बानो, डॉ0 अखिलेश सिंह, कु0 आंचल जुनेजा, डॉ0 नवनीत कौर, रवि कुमार, डॉ0 फरजीन बानो, डॉ0 मीनाक्षी, श्रीमती एकता, अखिलेश खरे, श्रीमती सर्वजीत कौर, परमजीत सिंह, रवि सुयाल, कु0 शीतल, राधेश्याम, दुर्गेश कुमार, श्रीमती कल्पना, परमानन्द एवं काफी संख्या में छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे ।

बाबा श्री चंद के प्रकाश पर्व पर गुरमत समागम आयोजित

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री गुरु नानक देव जी के सुपुत्र एवं उदासीन संप्रदाय के संस्थापक बाबा श्री चंद जी का जन्मदिन धूमधाम से मुकंदपुर डेरा (नजदीक ग्राम बड़ा खेड़ा)तहसील गदरपुर में धूमधाम से मनाया गया। जानकारी देते हुए डेरा बाबा श्री चंद जी के मुख्य सेवादार बाबा जोगा सिंह ने बताया कि 18 नवंबर को प्रारंभ किए गए अखंड पाठ के भोग 20 नवंबर को संपूर्ण किए गए तत्पश्चात कथा कीर्तन एवं गुरु का लंगर आयोजित करके सर्वत्र सुख शांति की अरदास की गई । कार्यक्रम का शुभारंभ रागी गुरविंदर सिंह द्वारा शबद गुरबाणी के गायन के साथ किया गया । रानी राजपुर काशीपुर के बाबा गुरु उपदेश जी द्वारा संगत को नाम स्मरण एवं गुरबाणी के माध्यम से वाहेगुरु परमात्मा की भक्ति से साथ जुड़ने का आह्वान किया गया, वहीं बाबा सुखपाल जी ने बाबा श्री चंद जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके द्वारा जीवन पर्यंत समाज भलाई के रचनात्मक कार्यों में अपना जीवन लगाया गया। कथावाचक गुरदेव सिंघ और देवेंद्र सिंघ द्वारा गुरमत विचारों के आधार पर अपने विचार रखे,मुख्य सेवादार बाबा जोगा सिंह द्वारा बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारे के साथ मुख्य वक्ताओं एवं जन प्रतिनिधियों का सरोपा भेंट कर स्वागत किया गया । कार्यक्रम का संचालन बाबा गुरमुख सिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर विधायक अरविंद पांडे,राकेश भुड्डी,मनोज गुंबर,संतोष गुप्ता, जसवीर सिंह बठला, डॉ.राजकुमार अरोड़ा,साहब सिंह, इंद्रजीत सिंह ,जितेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अंश एवं वंश,बलवीर कौर ,राजवीर कौर, लखविंदर कौर ,किरण कौर ,रिया गुंबर सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे ।

कार्तिक शुक्ल नवमी को प्रदक्षिणा का विशेष महत्व

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार में कार्तिक मास की कथा के 25वें दिवस की कथा करते हुए कथावाचक पंडित विजय कुमार शास्त्री ने कहा कि कार्तिक शुक्ल नवमी सतयुग की आदि (प्रारंभ) तिथि है, इस दिन भगवान की पूजा प्रदक्षिणा, दान, तथा यज्ञ करने से कई गुना फल प्राप्त होता है, यदि कार्तिक शुक्ल नवमी को मथुरा की प्रदक्षिणा की जाए तो उसके फल का तो कहना ही क्या, प्रदक्षिणा करने में जितने पग उठते हैं उतने ही कुल बैकुंठ में जाते हैं, यदि मथुरा पुरी दूर हो तो किसी देव मंदिर की परिक्रमा कर लें,परिक्रमा करने का विधान यह है कि देवी की एक, सूर्य भगवान की सात,अग्नि के सात, श्री गणेश जी की तीन, शिवजी की आधी, पितरों की चार तथा विष्णु भगवान की चार। प्रभात फेरी का स्वागत नकुल गुप्ता एवं बाबूराम प्रजापति के निवास पर किया गया। प्रसाद की सेवा विजय कुमार भुड्डी, श्रीमती भावना भुड्डी ,लक्ष्मी दत्त पांडे एवं श्रीमती प्रेमा पांडे, रिंकू पांडे ,बबलू गुप्ता एवं श्रीमती रीता गुप्ता के परिवार द्वारा दी गयी।

रविन्द्र नगर में शुरू हुई नजूल फ्री होल्ड प्रक्रिया

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवासीय योजना के तहत मलिन बस्तियों में निवास करने वाले परिवारों के लिए मौहल्ला रविन्द्रनगर के दुर्गा मंदिर में निःशुल्क नजूल फ्री होल्ड शिविर आयोजित किया गया। जिसमें अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह व मुख्य नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल की अगुवाई में निगम के कर्मचारियों ने पात्र परिवारों के दस्तावेजों को जांच कर उनकी फाईल तैयार की। इससे पूर्व मुख्य नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल के साथ निगम के कर्मचारियों ने वार्ड में घर घर जाकर पात्र परिवारों के भवनों का निरीक्षण किया। साथ ही उनके भवन सम्बंधी दस्तावेजों की जांच भी की। कर्मचारियों द्वारा भवन की नापजोख कर क्षेत्रफल फाईल में दर्ज किया गया। एडीएम जय भारत सिंह तथा एमएनए नरेश दुर्गापाल ने बताया कि शासन द्वारा यह योजना मलिन बस्तियों में रहने वाले परिवारों के लिए प्रारम्भ की गई है। जिसके तहत 50 वर्ग मीटर का भूखण्ड को योजना में शामिल किया गया है। साथ ही परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रूपये से कम होनी चाहिये। उन्होंने बताया कि सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निःशुल्क नजूल फ्री होल्ड योजना डोर टू डोर अभियान के तहत चलाया जा रहा है।आयोजित शिविर में अधिकारियों द्वारा लोगों को सभी आवश्यक जानकारियां भी दी जा रही थीं। साथ ही आवश्यक दस्तावेजों की फोटोस्टेट कराने की व्यवस्था भी की गई थी ताकि लोगों को कार्य के लिए परेशानियों का सामना न करना पड़े। वार्ड पार्षद बबलू सागर ने बताया कि अभी तक पूर्व में 25 प्रतिशत की धनराशि जमा कर चुके करीब 200 परिवारों की निःशुल्क नजूल फ्रीहोल्ड योजना के तहत फाईल तैयार हो चुकी है। इस दौरान निगम के शाकिर अली,नीरज, शुभम, धीरज जोशी, राम सिंह, प्रकाश जोशी, दीपक गोस्वामी, परितोष मांझी,भारत कुमार आदि मौजूद थे।

तुम्हें मुबारक हो 'इंडिया' हम तो 'भारत' वाले हैं

विराट कवि सम्मेलन में कवियों ने सामाजिक व्यवस्थाओं पर और राजनैतिक हालातों पर कसे तंज हास्य व्यंग की कविताओं पर लगे ठहाके, वीर रस के कवियों ने जोश भरकर खूब बटोरी तालियां

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। अमर शहीदों एवं देश के महापुरूषों की याद में राष्ट्रीय एकता मंच के तत्वावधान में सोमवार शाम जनता इंटर कालेज में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में कवियों ने जहां अपने गीतों कविताओं के माध्यम से देश भक्ति का जोश भ्ज्ञरा वहीं वहीं अपने शब्दों में सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्था पर तंज भी कसे। हास्य व्यंग्य की कविताओं ने श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। विराट कवि सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति शिव कुमार अग्रवाल,विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, ठाकुर जगदीश सिंह, भाजपा नेता उत्तम दत्ता, भारत भूषण चुघ, अनिल चौहान आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों के साथ ही कविगणों का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। इसके पश्चात काव्य पाठ शुरू हुआ। कवि सम्मेलन के लिए मंच संचालन की कमान राजस्थान से आये कवि विनीत चौहान को सौंपी गयी। उन्होंने सबसे पहले मंच पर सरस्वती वंदना के लिए कवियित्री मुमताज नसीम को बुलाया। उन्होंने मां शारदे की वंदना कर काव्य पाठ की विधिवत शुरूआत की। इसके पश्चात मंच पर हास्य के कवि पार्थ नवीन ने काव्य पाठ किया। प्रतापगढ़ राजस्थान से आये हास्य के कवि पार्थ नवीन ने अपनी हास्य व्यंग्य की रचनाओं से श्रोताओं को ठहाके लगाने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने अपनी एक कविता कुछ यूं सुनाई- 'उड़ते रहो हवाओं में कपूर की तरह, बजतो रहो फिजाओं में संतूर की तरह, मुरझाए हुए फूल पे आएंगी तितलियां एंजॉय किजिए शशि थरूर की तरह'। महंगाई पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा-' सौ रूपये के एक लीटर को सलाम, पेट्रोल तेरी बढ़ती उमर को सलाम। भीलवाड़ा राजस्थान से आये हास्य के ही मशहूर कवि दीपक पारीक ने भी श्रोताओं को अपनी रचनाओं से खूब गुदगुदाया, साथ ही वर्तमान सामाजिक व्यवस्थाओं पर भी तंज कसे। उन्होंने काव्य पाठ करते हुए कहा-'गुजरा जो वक्त आज बहारों के बीच में, हमने भी करदी शायरी यारों के बीच में , रिश्ते सुधारने हैं तो दीवार तोड़ दो, क्यों झांकते हो रोज दरारों के बीच में''। अलीगढ़ से पधारी श्रृंगार की कवियित्री मुमताज नसीम अपनी श्रृंगार रस की कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने एक कविता कुछ यूं सुनाई- 'कर तो लूँ एतराफे मोहब्बत तुम फसाना बना तो ना दोगे , मैं तुम्हें खत तो लिख दूँ मगर तुम दोस्तों को दिखा तो ना दोगे! एक और कविता में उन्होंने कहा-आज इकरारक र लिया हमने, खुद को बीमार कर लिया हमने, अब तो लगता है जान जाएगी, तुमसे जो प्यार कर लिया हमने। मधुबनी बिहार से आये हास्य के अगले हस्ताक्षर शंभू शिखर ने भी अपनी कविताओं से खूब तालियां बटोरी। उन्होंने सुनाया-'कितने हसीन देखिए जज्बात ले लिए, लेनी थी जीत हमने मगर मात ले लिए,दूल्हा विचारा रील बनाने में रह गया, दुल्हन ने फेरे पंडित जी के साथ ले लिए। जबलपुर से आये मशहूर कवि सुदीप भोला ने अपनी कविताओं से वर्तमान राजनीति और व्यवस्थाओं पर प्रहार किये तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। उन्होंने कविता में कहा-'यह मत सोचो ज्ञान बांटते फिरते हैं,खुशियों का सामान बांटते फिरते हैं, यह दौलत बांटे जाने से बढ़ती है, इसीलिए मुस्कान बांटते फिरते हैं'। इंदौर मध्य प्रदेश से आये कवि अमन अक्षर ने भी अपनी कविताओं से खूब तालियां बटोरी । उन्होंने सुनाया-' अलग होते हुए कोई अलग इतना नहीं दिखता,मगर ऊंचाइयों से नींव का हिस्सा नहीं दिखता,उन्हीं आंखों को चश्मे की कहीं ज्यादा जरूरत है,जिन्हें मां बाप का टूटा हुआ चश्मा नहीं दिखता। एक और कविता में उन्होंने कहा-'सारा जग है प्रेरणा प्रभाव सिर्फ राम हैं ।, भाव सूचियां बहुत हैं भाव सिर्फ राम हैं । पराजय का नहीं होता है कोई शोर मत कहना,जमाने में कहां होते हैं अब चितचोर मत कहना। मुझे लड़ना है दुनिया से अकेले अब तुम्हारे बिन,अगर मैं हार जाऊं तो मुझे कमजोर मत कहना। इटावा उत्तर प्रदेश से आये वीर रस के कवि गौरव चौहान ने अपनी कविताओं से जोश भर दिया। उन्होंने अपनी कविताओं के जरिये कई संदेश दिये। उन्होंने कहा- बरसाती गोलियां हम जब कभी सीने पे खाते हैं, तुम्हें देकर सुरक्षा होंठ पर मुस्कान लाते हैं, ना समझो तुम दिवाली पर जले हैं तेल और बाती, हमारे खून के कतरों से दीपक झिलमिलाते हैं। एक कविता में उन्होंने राजनीतिक हालातों पर प्रहार करते हुए कहा-' पथ्वी राणा वीर शिवा की अमिट विरासत वाले हैं, तुम्हें मुबारक हो इण्डिया, हम तो भारत वाले हैं। लखनऊ से पधारी श्रृंगार की कवि शशि श्रेया ने भी अपनी रचनाओं से माहौल को खुशनुमा बना दिया। उन्होंने कविता में कहा-'वो फिसलते गए मैंने टोंका नही।प्रेम मोहताज है बंधनों का नही। वो किसी और के हैं यही सोंचकर, उनको जाने दिया मैंने रोंका नही।वीर रस के विख्यात कवि विनीत चौहान ने अपनी कविताओं से पूरे पंडाल में जोश भर दिया। उनकी कविताओं पर लोग खड़े होकर ताली बजाने को मजबूर हो गये। उन्होंने कविता पाठ में कहा-' ये धरती रण में दुश्मन का, कोई एहसान नहीं रखती, जुगनू की ड्योढ़ी पूजे जो, ऐसा दिनमान नही रखती, सीमा पर दुश्मन की जाकर जो मां का दूध जला जाए, भारत मां ऐसी कोई भी कायर संतान नहीं रखती। वीर रस की एक और कविता में उन्होंने कहा- सीमा नहीं खिंचा करती है, कागज की बिछली लकीरों से, ये धरती बढ़ती रहती है वीरों की शमशीरों से।। कवि सम्मेलन देर रात तक चला। बड़ी संख्या में लोग कविताओं सुनने के लिए अंत तक जमे रहे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक राजकुमार ठुकराल, भारत भूषण चुघ एवं एडवोकेट दिवाकर पाण्डे ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, जसविंदर सिंह खरबंदा, विजय भूषण गर्ग, संजय ठुकराल, राजेन्द्र गिरधर, राजीव अरोरा, पवन वर्मा, संजय जुनेजा, चन्द्रकला राय, विक्की मुंजाल, साहिल जुनेजा,पुष्कर राज जैन, केके दास, हिमांशु शुक्ला, सौरभ चिलाना, रौनिक नारंग, हिमांशु गावा, सीपी शर्मा, अजय ठुकराल, हरीश जल्होत्रा, रमेश कालड़ा, मुलख राज ठुकराल, वेद ठुकराल, राजीव गंगवार, रामप्रकाश गुप्ता, पवन अग्रवाल,राजेश ग्रोवर, आशीष छाबड़ा, बंटी कोली, बलराम अग्रवाल, धीरेन्द्र मिश्रा, मोहन लाल भुड्डी, मनोज अरोरा, वंशीधर गुम्बर, मनीष शुक्ला, सुशीला मेहता, कमल तलवार, सूरज सक्सेना, राधेश्याम शुक्ला,सुषमा अग्रवाल, रमेश धींगड़ा, हरविंदर सिंह चुघ, शंकर चक्रवर्ती, अजमेर सिंह, सतीश अरोरा, जगदीश टंडन, गगन ग्रोवर, तारा चन्द्र अग्रवाल, अमित जैन लोहिया आदि समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

भाजपा सरकार बना रही विकास के कीर्तिमानः अजय भट्ट

किच्छा(उद संवाददाता)। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन मंत्री अजय भट्ट ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवाई में 2024 तक अर्थव्यवस्था में भारत तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा तथा वर्ष 2047 तक भारत विश्व में अर्थव्यवस्था के नंबर वन पायदान पर होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो योजनाएं क्रियान्वित की हैं। वे अब धरातल पर आने लगी हैं जिसमें जमरानी बांध का निर्माण, किच्छा एम्स अस्पताल ,गैस की पाइपलाइन मुख्य रूप से हैं। वे यहां पुरानी गल्ला मंडी स्थित सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किच्छा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लगभग एक करोड़ रुपए के कार्य सांसद निधि से स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई में ही अगले पांच साल तक 80 करोड़ जनता को मुफ्त में और अनाज दिया जाएगा जिसकी घोषणा की जा चुकी है। जमरानी बांध के संबंध में उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कार्य है जिसमें उत्तर प्रदेश सहित उत्तराखंड की कई हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित की जाएगी तथा पेयजल की आपूर्ति की समस्या हल की जाएगी साथ ही प्रदेश को बिजली उत्पादन में अग्रणी बनाएगा। उन्होंने कहा कि सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज में हार्ट स्पेशलिस्ट की नियुक्ति हेतु संपूर्ण कार्यवाहियां भी की जा चुकी हैं जिसमें ओपन हार्ड सर्जरी भी करने की व्यवस्था की जाएगी जिसके लिए 9 करोड़ रूपया स्वीकृत किया जा चुका है। जल जीवन मिशन के लिए उत्तराखंड को 1000 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है । इसके अलावा उत्तराखंड में गैस की पाइपलाइन बिछाने की कार्यवाही भी जोरों पर है जिससे आम नागरिक को अब मीटर कनेक्शन दिया जाएगा ताकि सिलेंडरों की भाग दौड़ को खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि नैनीताल में गैस पाईप लाईन बिछाने मै तकनीकी कमी के चलते वहां एक बड़ा टैंक बना कर गैस पाईप लाईन के माध्यम से गैस आपूर्ति की योजना बना दी गई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में प्रदेश में हर अस्पताल को चार ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था कर दी गई है। शीघ्र ही हर सरकारी अस्पताल में चार ऑक्सीजन बेड की पूर्ण रूप से व्यवस्था मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि जो लोग कश्मीर में खून की नदियां बहेंगी की बात कहते थे वह आज कश्मीर में जाकर देखें की खुशी संपन्नता शांति की नदियां बह रही हैं। उन्होंने अबू धाबी और दुबई की विदेश यात्रा पर बोलते हुए कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि दुबई के शेख सरकार द्वारा मंदिर निर्माण के लिए 37 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है जिसमें मजदूरों के रहने गाड़ियों के पार्किंग करने के अलावा भव्य मंदिर बनाया जाएगा। कहा कि हिंदुस्तान में भले ही राजनीतिक पार्टियां जातिगत समीकरणों पर राजनीति कर रही हों लेकिन भारत की संस्कृति का वसुधैव कुटुंबकम संदेश विश्व में बोल रहा है तथा भारत की सनातन संस्कृति को सभी लोग अंगीकार करके उसको समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां कभी मंदिरों के नाम पर नफरत होती थी आज वहां मंदिरों पर चर्चाएं हो रही है और मंदिरों का निर्माण किया जा रहा है। कहां कि भारत नए युग की ओर बढ़ रहा है और यह बदलता भारत है जिसने यूक्रेन रूस युद्ध में दुश्मन देश के नागरिकों को भी भारतीय झंडे के नीचे आकर के अपने वतन वापसी में मदद की उन्होंने नाम लिए बगैर कहा कि पड़ोसी मुल्क जो की द्वेष भाव रखता है के नागरिक भी आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेता की तलाश कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की जनता एक बार पुनः नरेंद्र मोदी को भारत की सत्ता सौपना चाहती है ऐसा लगता है कि अभी आने वाले 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही भारत का नेतृत्व करेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से मंच संचालक सुभाष तनेजा, वरिष्ठ व्यापारी सुदर्शन ठुकराल ,सुदेश कक्कड़, शंभू सुमन सिंह, पुष्कर कला, भारत भूषण बंसल, जितेश, सभासद धनीराम, देवेंद्र कुमार सेतीया, राजीव सक्सेना, विवेक राय, भजन अरोड़ा, ओम तनेजा, प्रवीण तनेजा, जूही चावला, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक सक्सेना, प्रवीण रहेजा, एडवोकेट कुशवाहा ,मंडी समिति अध्यक्ष कमेंद्र सेमवाल, प्रवीण तनेजा, राजू तनेजा, श्याम सुंदर मेंदीरत्ता, मदन मदन सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम की बनाई रूपरेखा

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)।जनपद में विभिन्न विभागों के जनकल्याणकारी कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास के संबंध में जिलाधिकारी विनीत तोमर ने अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी 30 नवंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा वर्चुअली माध्यम से योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास का कार्यक्रम प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में जिस विभाग के जिन कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास होना है, उसकी समुचित जानकारी तैयार कर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें, कि लोकार्पण एवं शिलान्यास हेतु कोई भी योजना को दोहराया नहीं जाए। साथ ही कहा कि लोकार्पण एवं शिलान्यास का डाटा विधानसभावार तैयार किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे, अपर जिलाधिकारी सीएस मर्तोलिया, जिला विकास अधिकारी एसके पंत समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नव नियुक्त थाना अध्यक्ष भुवन जोशी का किया स्वागत

गदरपुर(उद संवाददाता)। एकम सनातन भारत दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.आर के महाजन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर नव नियुक्त थाना अध्यक्ष भुवन जोशी का श्री राम दरबार चित्र भेंट कर गर्म जोशी से स्वागत किया । डॉ. महाजन ने थानाध्यक्ष भुवन जोशी से मुलाकात करके कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में नशा एवं अपराधों पर लगाम लग सकेगी ऐसी उन्हें आशा है वहीं थाना अध्यक्ष भुवन जोशी ने कहा कि उनके द्वारा हर संभव प्रयास रहेगा की पुलिस टीम और जन सहयोग से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रहे । उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया । इस मौके पर डॉ.आरके महाजन,हरचरण चन्ना,अमित ढींगरा, अमरीक सिंह, मुकेश फोगाट, राजकुमार नैय्यर,कुंवर सिंह, रंजीत सैनी, सियाराम सैनी, गोपाल काश्यप, अमित बत्रा,अजय रावत,अर्जुन रावत आदि शामिल रहे ।

गौलोक धाम में धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव और गोपाष्टमी पर्व

गौ माता की पूजा कर खिलाया प्रसाद

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री गौलोक धाम सेवा समिति, ग्राम कनकपुर द्वारा गौलोक धाम का ग्यारहवां वार्षिकोत्सव एवं गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर गौ लोक धाम के संचालक चंद्रकांत अरोरा, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रचना अरोरा, वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक भारत भूषण चुघ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कनिका चुघ ने अन्य परिजनों तथा उपस्थित गौ माता भक्तों के साथ श्री गौलोक धाम में संयुक्त रूप से गौ माता की पूजा अर्चना कर उन्हें प्रसाद वितरित किया। इससे पूर्व श्री श्री राधा श्याम सुंदर की असीम कृपा से गोपाष्टमी के पावन दिवस पर गौ लोक धाम में श्री धर्मार्थ आश्रम हरिद्वार के श्री महंत श्री केशव दास महाराज की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम भक्त जनों द्वारा हरि नाम संकीर्तन किया गया। इसके पश्चात श्री श्री राधा श्याम सुंदर जी का महाभिषेक हुआ। तत्पश्चात गौशाला में मौजूद सभी गौ माता का पूजन कर उन्हें प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम अनुसार इसके पश्चात 56 भोग लगाने के बाद महा आरती हुई और भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। अपने संबोधन में वरिष्ठ समाजसेवी भारत भूषण चुघ ने कहा कि गौ माता की हिंदू समाज हमेशा पूजा अर्चना करता आया है। विभिन्न धार्मिक संस्कारों में भी गौ पूजा का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि गौ माता की पूजा अर्चना करने से देवी देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। इस मौके पर हरनाम चौधरी, सीए अशोक सिंघल, पंडित नारद जोशी, अमित मदान, सोनू गाबा, नरेन्द्र ठुकराल, रवि ठुकराल, प्रवीण रहेजा, शक्ति बठला, अशोक बत्रा, संता सिंह, रणजीत सिंह, किशोर लाल बत्रा, विनोद मदान, उज्जवल गगनेजा, चरण दास बठला, सूरज बेहड़, अभिषेक अरोरा, गीता जोशी, पूजा मदान, शिखा गाबा, बीना बत्रा, संतोष बत्रा, कन्हैयालाल खण्डेलवाल, रवि बठला, राजकुमार श्रीधर, यशपाल घई, जुगल बांबा, रमेश पाल, गुंजन बठला, नन्हे चौहान व संजीव राय सहित भारी संख्या में लोग शामिल रहे।

धूमधाम से मनाया छठ महापर्व

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पूर्वांचल छठ पूजा समिति की ओर से रविंद्र नगर वार्ड नंबर 37 छठ घाट पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्वांचल समाज के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों ने इस छठ महापर्व पर आयोजन में सहभागिता की तथा छठ घाट पर पहुंचकर छठ मैया की पूजा अर्चना की। आयोजन में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, क्षेत्रीय विधायक शिव अरोड़ा, प्रदेश मंत्री भाजपा विकास शर्मा, शहर के महापौर रामपाल की पत्नी अंजू रानी, पार्षद बबलू सागर, तथा भाजपा व कांग्रेस के पदाधिकारी सौरभ चिलाना आदि द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। क्षेत्रीय विधायक श्री शिव अरोड़ा एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा छठ घाट पर ही नारियल फोड़कर विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया तथा छठ पूजा समिति को यह आश्वासन दिया गया। छठ पूजा समिति के सदस्यों अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, दुर्गेश मौर्य, फुदेना सहनी, राकेश सिंह, राजेश कुमार, रणधीर चौधरी, दिनेश गुप्ता एडवोकेट, विजय बाजपेई, श्रीकांत शर्मा, पंकज गुप्ता सुजीत गुप्ता, गणेश मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

लाभार्थियों को दिलाई हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ

गदरपुर (उद संवाददाता)। विकासखण्ड गदरपुर की ग्राम पंचायत खेमपुर में लाभार्थीपरक योजनाओं के संतृप्तीकरण हेतु लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुँचाने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर 272 लाभार्थियों को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ दिलायी गयी। उक्त आयोजित कार्यक्रम में 15 विभागों स्वास्थ्य विभाग, मत्स्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हथकरघा विभाग, गन्ना विकास विभाग, नलकूप विभाग, खाद्य विभाग, आयुष्मान भारत, कृषि विभाग, बाल विकास विभाग, नाबार्ड, प्रा० स्वास्थ्य केन्द्र, सितारगंज इत्यादि विभागों द्वारा स्टॉल लगाई गयी। उक्तानुसार आयोजित कार्यक्रम ग्रामपंचायत खेमपुर में 80 पुरुष एवं 192 महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। विभागीय अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लाभार्थियों को समस्त विभागों की जनकल्याण कारी योजनाओं जैसे- आत्मा योजना, के.सी.सी. और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्राकृतिक कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पी.एम.के.एस. वाई. योजना, पी.एम. उज्जवला योजना इत्यादि योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया एवं मौके पर लाभार्थियों को सम्बन्धित विभागों द्वारा राजसहायता पर निवेशों / सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामपंचायत खेमपुर में 15 कृषकों द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी का अनुभव सांझा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 11 लाभार्थियों को उनके द्वारा अपने प्रक्षेत्रों में किये गये उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में अरविन्द पाण्डे, विधायक, गदरपुर, गौरव पाण्डे , उपजिलाधिकारी, जनपदस्तरीय नोडल अधिकारी श्रीमती ज्योति पालनी अधिशासी अभियन्ता, जल निगम, रूद्रपुर एवं ग्राम पंचायतवार नियुक्त नोडल अधिकारी गोपाल सिंह चौहान, सहायक कृषि अधिकारी एवं लेखराज, ग्रामप्रधान, नवजाति संगठन पदाधिकारी राकेश सिंह, बाबू सिंह तोमर, सोमल सिंह, एम.एस. जंगपांगी, लीड बैंक मैनेजर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुमन, अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी इत्यादि उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

क्रिकेट विश्व कप और खेल प्रेमी

विश्व कप के अंतिम नतीजों को लेकर भारतीय खेल प्रेमी निराश हैं, तो कई लोग इसे राजनीतिक नजरिए से भी देख रहे हैं। जिस तरह भारतीय टीम पूरे खेल के दौरान लगातार जीत दर्ज करती रही और हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी बेहतर देखा गया, कई कीर्तिमान भी बने, उसमें स्वाभाविक ही उम्मीद बनी थी कि भारत विश्व कप जीतेगा। मगर अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए वही टीम कमजोर साबित हुई, तो इसे लेकर निराशा स्वाभाविक है। मगर क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है। कब किन स्थितियों में मजबूत टीम भी कमजोर पड़ जाती है, कहना मुश्किल है। कुल मिला कर देखें तो भारतीय टीम का प्रदर्शन अंतिम मैच में भी बुरा नहीं कहा जा सकता। बल्लेबाजी करते हुए उसके तीन खिलाड़ी जल्दी आउट हो गए, इसलिए टीम रक्षात्मक होकर खेलने लगी थी और रनों की दर धीमी पड़ गई। गेंदबाजी और क्षेत्र रक्षण में भी खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। मगर जिस तरह लोगों में पहले से उत्साह बना हुआ था और पूरा विश्वास था कि भारतीय टीम ही इस बार का विश्व कप जीतेगी, उस धारणा के चलते बहुत सारे लोग इस मैच को खेल भावना से देख नहीं पाए और निराश हुए। जैसा कि हर हार के बाद कमजोर पक्षों को पहचानने का प्रयास किया जाता है,विश्व कप को लेकर भी अलग-अलग कोणों से इसकी पड़ताल हो रही है। बहुत सारे लोग भारतीय टीम की हार का ठीकरा खराब पिच पर फोड़ रहे हैं, क्योंकि आस्ट्रेलियाई टीम ने इसी वजह से पहले गेंदबाजी का निर्णय किया था ताकि बड़ा स्टोर बनने से रोका जा सकते। उनकी धीमी गेंदबाजी की रणनीति को को भी भारतीय टीम के नये खिलाड़ी भांप नहीं पाये और अपना विकेट बचाने में विफल रहे। मगर उसी स्टेडियम में पहले भी भारतीय टीम खेल चुकी थी और वह उस पिच के मिजाज से अच्छी तरह वाकिफ थी। इसलिए पिच को दोष देना भी ठीक नहीं माना जा सकता। कई लोगों को इस बात पर हैरानी हो रही है कि आखिर के चालीस ओवरों में भारतीय टीम ने केवल चार चौके लगाए। सत्ताईस ओवरों में एक भी चौका-छक्का नहीं लगा। ऐसा क्या हो गया कि अपराजेय दिखते भारतीय खिलाड़ी इतने सुस्त पड़ गए? इसका बड़ा कारण शुरू में ही तीन खिलाड़ियों के आउट हो जाने से टीम पर पड़ा मनोवैज्ञानिक दबाव माना जा सकता है। इस तरह टीम रक्षात्मक होकर खेलती रही। मगर इसमें आस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों के कौशल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को चौके-छक्के जड़ने का मौका बहुत कम दिया। कुछ लोग इसमें सट्टेबाजी का भी अंदेशा जता रहे हैं। चूंकि पहले कुछ मौकों पर ऐसा हो चुका है और उसके चलते कुछ भारतीय खिलाड़ियों पर गाज भी गिर चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए एक समिति भी बनाई थी। क्रिकेट बोर्ड में राजनीतिक दखलंदाजी बढ़ने से भी भारतीय टीम के प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जताई जाती रही हैं। मगर इन तमाम आरोपों और आशंकाओं के पीछे भावनात्मक खीज अधिक कही जा सकती है। इस तरह आस्ट्रेलियाई टीम की काबिलियत को बहुत कम करके आंकने का प्रयास किया जा रहा है। निस्संदेह भारतीय टीम का जीतना गौरव की बात होती, मगर इस हार का मूल्यांकन आस्ट्रेलियाई टीम के प्रदर्शन को सामने रख कर किया जाना चाहिए। पूरे खेल में उसका भी प्रदर्शन खराब नहीं कहा जा सकता। खेल को खेल भावना से ही खेला और देखा जाना चाहिए, पक्षपातपूर्ण या सियासी नजर से नहीं।

संकल्प यात्रा का जनजातीय ग्राम खेमपुर और साधुनगर में हुआ स्वागत

सितारगंज(उद संवाददाता)। विकसित भारत संकल्प यात्रा उत्तराखंड के जनजातीय जिले देहरादून और उधमसिंह नंगर में जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को संकल्प यात्रा का रथ सितारगंज के जनजातीय ग्राम साधुनगर और खेमपुर पहुंचा। इस कार्यक्रम में मत्स्य, गन्ना, बिजली, बाल विकास, स्वास्थ्य आदि विभाग उपस्थित रहे। इन विभागों द्वारा कार्यक्रम में स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिससे लोग जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ले कर लाभान्वित हो सकें। संकल्प यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने विकसित भारत बनाने की शपथ भी ली। इस दौरान मौजूद लोगों को मानीनय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन सुनाया गया। साधुनगर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान 'मेरी कहानी, मेरी जुबानी' के अंर्तगत विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने बताया कि कैसे इन योजनाओं से वह और उनका परिवार लाभ उठा रहे हैं। कार्यक्रम में श्रीमती लाता देवी ने बताया कि पहले उनके परिवार की स्थिति खराब थी लेकिन एनआरएलएम के माध्यम से चल रहे स्वयं सहायता समूह से ऋिण लेने के बाद अब उनके परिवार की के हालात सुधर रहे हैं। वह इस ऋण से देसी गाय के दूध से बने उत्पाद बना कर बाजार में बेच रही हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी श्रीमती मीना देवी और मरनेगा की लाभार्थी श्रीतमी राजकुमारी ने भी अपने अनुभव बताए। कार्यक्रम में मुफ्त रसोई गैस योजना के तहत कार्ड भी बनाए गए। खेमपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा में गदरपुर के विधायक श्री अरविन्द पांडेय बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे । इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों को भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत करवाया। कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा ड्रोन से खेती का डेमो भी ग्रामीणों को दिखाया गया। यात्रा में अलग अलग विभागों ने जानकारी हेतु स्टाल्स भी लगये थे जो जनता के लिए काफी उपयोगी साबित हुए।

बनभूलपुरा में चला सत्यापन अभियान

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पुलिस द्वारा बनभूलपुरा क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया गया। जिसमें किरायेदार सत्यापन न करने वाले 31 भवन स्वामियों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही कर 98 व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन कर करवाया भवन स्वामियों से 3 लाख रूपये से अधिक का जुर्माना भी वसूला गया।हरबंस सिंह पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में भूपेन्द्र सिंह धोनी क्षेत्राधिकारी नगर, हरेन्द्र चौधरी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, नीरज भाकुनी, थानाध्यक्ष थाना बनभूलपुरा व विमल मिश्रा थानाध्यक्ष काठगोदाम द्वारा अलग-अलग टीमें गठित करते हुये पीएसी तथा थानों के पुलिस बल के साथ औचक सत्यापन अभियान चलाया गया। थाना बनभूलपुरा क्षेत्र के मलिक का बगीचा, सफदर का बगीचा, पप्पू का बगीचा इन्द्रानगर व गाँधीनगर में संदिग्ध व्यक्तियों तथा किरायेदारो का सत्यापन किया गया। जिसमें किरायेदारों के सत्यापन ना कराये जाने की दशा में मौके पर 5 भवन स्वामियों से पुलिस एक्ट में 5000-5000 कुल 25,000 रुपए जुर्माना अधिरोपित किया गया।इसके अतिरिक्त 26 भवन स्वामियों के विरुद्ध पुलिस एक्ट में 10000- 10000 रुपए कुल दो लाख साठ हजार रुपये की चालानी कार्यवाही करते हुये चालानी रिपोर्ट न्यायालय प्रेषित की गई। अभियान के दौरान 98 संदिग्ध व्यक्तियों को जो कि उ०प्र० के जिला पीलीभीत, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, बहेड़ी एंव विहार राज्य के जिला बेतिया, पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण के निवासरत थे सभी को थाने लाकर भौतिक सत्यापन करते हुये बिना सत्यापन निवास करने वाले उक्त किरायेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुये 16750 रुपए अर्थदंड जमा करवाया गया। साथ ही सभी को हिदायत दी गयी कि यदि कोई बिना सत्यापन के थाना क्षेत्र के अन्तर्गत निवास करता है तो चालानी कार्यवाही की जायेगी।

सुरंगों से खोखले हुए पहाड़

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा भूमि में धंस जाने के कारण सुरंग बना रहे 40 मजदूर फंस गए। उनके प्राण पिछले कुछ दिनों से संकट में जरूर हैं, लेकिन उन्हें बचाने के हर संभव प्रयत्न युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। इसीलिए सभी मजदूर जीवित बताए जा रहे हैं। यह हादसा उत्तरकाशी से 55 किमी दूर बन रही सिलक्यारा-पोलगांव निर्माणाधीन सुरंग के भीतर हुआ। यह हादसा भू-स्खलन के कारण सुरंग का 15 मीटर हिस्सा जमीन में धंस जाने के कारण घटित हुआ। सुरंग का निर्माण उत्तरकाशी जिले में धरासू-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर चार धाम यात्रा को हर मौसम में सुगम बनाने की दृष्टि से किया जा रहा है। सुरंग की लंबाई करीब साढ़े चार किलोमीटर है। इसे करीब चार किमी बना भी लिया गया है। सुरंग के संपूर्ण होने के बाद यात्रियों की 26 किमी दूरी कम हो जाएगी। अतएव आवागमन सुविधाजनक तो होगा ही समय और धन की बचत भी होगी। सेवा सामाग्रियों की पहुंच आसान हो जाएगी। नतीजतन श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय लोगों को रोजगार 12 माह मिलने लग जाएगा। परंतु इस हादसे के बाद एक बार फिर न केवल उत्तराखंड, बल्कि हिमाचल प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों के परिप्रेक्ष्य में पहाड़ों को काटकर किए जा रहे निर्माण कार्यों पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। क्योंकि इसी साल मार्च में भी सुरंग हादसा घट चुका है। समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के परिप्रेक्ष्य में जल विद्युत संयंत्र और रेल परियोजनाओं की बाढ़ आई हुई है। इन योजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र में रेल गुजारने और कई हिमालयी छोटी नदियों को बड़ी नदियों में डालने के लिए सुरंगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए भी जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। इस आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय ही नहीं, हिमालय के शिखर दरकने लगे हैं, जिन पर हजारों साल से मानव बसाहटें अपने ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन करने के साथ हिमालय और वहां रहने वाले अन्य जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। हिमालय और पृथ्वी सुरक्षित बने रहें, इस दृष्टि से कृतज्ञ मनुष्य ने अथर्ववेद में लिखे पृथ्वी-सूक्त में अनेक प्रार्थनाएं की हैं। यह सूक्त राष्ट्रीय अवधारणा एवं वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को विकसित, पोषित एवं फलित करने का संदेश देता है। जिससे मनुष्य नीति और धर्म से बंधा रहे। लेकिन हमने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट करने का काम आधुनिक विकास के बहाने कर दिया। उत्तरकाशी हो या जोशीमठ इसी अनियोजित विकास की परिणति है। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस हजार करोड़ की जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ों को काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है और नदियों पर बांध निर्माण के लिए बुनियाद हेतु गहरे गड्ढे खोदकर खंबे व दीवारें खड़े किए जाते हैं। कई जगह सुरंगे बनाकर पानी की धार को संयंत्र के पंखों पर डालने के उपाय किए गए हैं। इन गड्ढों और सुरंगों की खुदाई में ड्रिल मशीनों से जो कंपन होता है, वह पहाड़ की परतों की दरारों को खाली कर देता है और पेड़ों की जड़ों से जो पहाड़ गुंथे होते हैं, उनकी पकड़ भी इस कंपन से ढीली पड़ जाती है। नतीजतन तेज बारिश के चलते पहाड़ों के ढहने और हिमखंडो के टूटने की घटनाएं पूरे हिमालय क्षेत्र में लगातार बढ़ जाती हैं। यही नहीं कठोर पत्थरों को तोड़ने के लिए भीषण विस्फोट भी किए जाकर हिमालय को हिलाया जा रहा है। गोया, प्रस्तावित सभी परियोजनाएं कालांतर में अस्तित्व में लाए जाने के उपाय जारी रहते हैं तो हिमालय का क्या हश्र होगा कहना मुश्किल है ? हिमालय में अनेक रेल परियोजनाएं भी निर्माणाधीन है। सबसे बड़ी रेल परियोजना उत्तराखंड के चार जिलों (टेहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली) के तीस से ज्यादा गांवों को भी विकास की कीमत चुकानी पड़ रही है। छह हजार परिवार विस्थापन के दायरे में आ गए हैं। रुद्रप्रयाग जिले के मरोड़ा गांव के सभी घर दरक गए है। रेल विभाग ने इनके विस्थापन की तैयारी कर ली है। यह तो शुरूआत है, लेकिन ये विकास इसी तरह जारी रहते हैं तो बर्बादी का नक्षा बहुत विस्तरित होगा। दरअसल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल परियोजना 125 किमी लंबी है। इसके लिए सबसे लंबी सुरांग देवप्रयाग से जनासू तक बनाई जा रही है, जो 14.8 किमी लंबी है। केवल इसी सुरंग का निर्माण बोरिंग मशीन से किया जा रहा है। बांकी जो 15 सुरंगे बन रही हैं, उनमें ड्रिल तकनीक से बारूद लगाकर विस्फोट किए जा रहे हैं। इस परियोजना का दूसरा चरण कर्णप्रयाग से जोशीमठ के बजाय अब पीपलकोटी तक होगा। भू-गर्भीय सर्वेक्षण के बाद रेल विकास निगम ने जोशीमठ क्षेत्र की भौगोलिक संरचना को परियोजना के अनुकूल नहीं पाया था। इसलिए अब इस परियोजना का अंतिम पड़ाव पीपलकोठी कर दिया है। जो एक अच्छी पहल है। हिमालय की ठोस व कठोर अंदरूनी सतहों में ये विस्फोट दरारें पैदा करके पेड़ों की जड़े भी हिला रहे हैं। अन्य जिलों के श्रीनगर, मलेथा, गौचर ग्रामों के नीचे से सुरंगें निकाली जा रही हैं। इनमें किए जा रहे धमाकों से घरों में दरारें आ गई हैं। वैसे भी पहाड़ी राज्यों में घर ढलानयुक्त जमीन पर ऊंची नीम देकर बनाए जाते हैं। जो निर्माण के लिहाज से ही कमजोर होते हैं। ऐसे में विस्फोट इन घरों को ओर कमजोर कर रहे हैं। हिमालय की अलकनंदा नदी घाटी ज्यादा संवेदनशील है। रेल परियोजनाएं इसी नदी से सटे पहाड़ों के नीचे और ऊपर निर्माणाधीन हैं। दरअसल उत्तराखंड के भूगोल का मानचित्र बीते डेढ़ दशक में तेजी से बदला है। चौबीस हजार करोड़ रुपए की ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना ने जहां विकास और बदलाव की ऊंची छलांग लगाई है, वहीं इन योजनाओं ने खतरों की नई सुरंगें भी खोल दी हैं। उत्तराखंड के सबसे बड़ी पहाड़ी शहर श्रीनगर के नीचे से भी सुरंग निकल रही है। नतीजतन धमाकों के चलते 150 से ज्यादा घरों में दरारें आ गई हैं। पौड़ी जिले के मलेथा, लक्ष्मोली, स्वोत और डेवली में 771 घरों में दरारें आ चुकी हैं। रेल परियोजनाओं के अलावा यहां बारह हजार करोड़ रुपए की लागत से बारहमासी मार्ग निर्माणाधीन हैं। सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग भी इसी उद्देश्य से बनाई जा रही है। इन मार्गों पर पुलों के निर्माण के लिए भी सुरंगें बनाई जा रही हैं, तो कहीं घाटियों के बीव पुल बनाने के लिए मजबूत आधार स्तंभ बनाए जा रहे हैं। हालांकि ये सड़कें सेना के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। सैनिकों का हिमालयी क्षेत्र में इन सड़कों के बन जाने से चीन की सीमा पर पहुंचना आसान हो गया है। लेकिन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिहाज से जो निर्माण किए जा रहे हैं, उन पर पुनर्विचार की जरूरत है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए पहाड़ की छाती चीरकर सुरंग बनाना समझदारी नहीं है ? इस उपाय से समय और पैसा तो बचेंगे, लेकिन पहाड़ नष्ट हो जाएंगे। अर्थात जब तेल ही नहीं रहेगा, तो दीया कैसे जलेगा ? हिमालय में हाल ही में केन-बेतवा नदी जोड़ों अभियान की तर्ज पर उत्तराखंड में देश की पहली ऐसी परियोजना पर काम शुरू हो गया है, जिसमें हिमनद (ग्लेशियर) की एक धारा को मोड़कर बरसाती नदी में पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। यदि यह परियोजना सफल हो जाती है तो पहली बार ऐसा होगा कि किसी बरसाती नदी में सीधे हिमालय का बर्फीला पानी बहेगा। हिमालय की अधिकतम ऊंचाई पर नदी जोड़ने की इस महापरियोजना का सर्वेक्षण शुरू हो गया है। इस परियोजना की विशेषता है कि पहली बार उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की एक नदी को कुमाऊं मंडल की नदी से जोड़कर बड़ी आबादी को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यही नहीं एक बड़े भू-भाग को सिंचाई के लिए भी पानी मिलेगा। 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत इस परियोजना पर काम किया जा रहा है। लेकिन इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए जिस सुरंग का निर्माण कर पानी नीचे लाया जाएगा, उसके निर्माण में हिमालय के शिखर-पहाड़ों को खोदकर सुरंगों एवं नालों का निर्माण किया जाएगा, उनके लिए ड्रिल मशीनों से पहाड़ों को छेदा जाएगा और विस्फोट से पहाड़ों को छलनी किया जाएगा। यह स्थिति हिमालयी पहाड़ों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नया बड़ा खतरा साबित हो सकती है ? हिमालय के लिए बांधों के निर्माण पहले से ही खतरा बनकर कई मर्तबा बाढ़, भू-स्खलन और केदरनाथ जैसी प्रलय की आपदा का कारण बन चुके हैं। उत्तराखंड भूकंप के सबसे खतरनाक जोन-5 में आता है। कम तीव्रता के भूकंप यहां निरंतर आते रहते हैं। मानसून में हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में भू-स्खलन बादल फटने और बिजली गिरने की घटनाएं निरंतर सामने आ रही हैं। पहाड़ों के दरकने के साथ छोटे-छोटे भूकंप भी देखने में आ रहे हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में बीते आठ साल में 130 बार से ज्यादा छोटे भूकंप आए हैं। हिमाचल और उत्तराखंड में जल विद्युत और रेल परियोजनाओं ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। टिहरी पर बंधे बांध को रोकने के लिए तो लंबा अभियान चला था। पर्यावरणविद और भू-वैज्ञानिक भी हिदायतें देते रहे हैं कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की अविरल धारा बाधित हुई तो गंगा तो अस्तित्व खोएगी ही, हिमालय की अन्य नदियां भी अस्तित्व के संकट से जुझेंगी।

-प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

सीएम करेंगे कई विकास कार्यो का लोकार्पण और शिलान्यास

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शिलान्यास एवं लोकार्पण के कार्यो की समीक्षा कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि 30 नवम्बर को मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यास एवं लोकार्पण किये जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है, इसलिये जिन विभागों द्वारा लोकार्पण/शिलान्यास कराये जाने है वे विभाग शिलान्यास/ लोकार्पण की सूचना शीघ्र जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि कार्यक्रम स्थल पर सभी सम्बन्धित विभाग जन कल्याणकारियों योजनाओं को आम जन मानस को जानकारी उपलब्ध कराने व लाभान्वित करने हेतु स्टॉल लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी योजना से लाभार्थी को लाभान्वित किया जाना है तो वे विभाग सम्बन्धित लाभाथियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाये ।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, सीएमओ डॉ0 मनोज शर्मा, उप जिलाधिकारी गौरव पाण्डेय, पीडी हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी तरा ह्यांकी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जमील सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकाश पर्व पर निकाली प्रभात फेरी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सुणी पुकार दातार प्रभ,गुरुनानक जग माहे पठाया,कल तारण गुर नानक आया।गुरु साहिब श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पुरब के उपलक्ष्य में आज दूसरी प्रभातफेरी प्रातः पांच बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा से शुरू होकर गुरद्वारा श्री गुरु हर किशन साहिब पहुची। प्रभात फेरी मीरा मार्ग, रामपुर रोड, विष्णु पूरी,गली नंबर 8 और 9 होते हुए गुरुद्वारा श्री गुरु हर किशन साहिब जी रामपुर रोड में पहुंची। शबदी जत्थों के रूप में समूह संगत ने गुरु साहिब द्वारा उच्चारण की हुई बाणी का गायन किया। बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के उदघोष से समूह वातावरण भक्ति विभोर हो गया। संगत ने अपने घरों को रोशनी की मालाओं से सजाकर, आतिशबाजी कर प्रभात फेरी पर पुष्पवर्षा करी। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा की कमेटी के जनरल सेक्टरी जगजीत सिंघ ने गुरुद्वारा श्री गुरु हर किशन साहिब की कमेटी व प्रभातफेरी में पहुंची समूह साध-संगत का धन्यवाद किया। कल तीसरी प्रभातफेरी गुरुद्वारा चार साहबजादे, कालाढुंगी को जाएगी। 27 नवंबर को रामलीला मैदान में धार्मिक दीवान सजेंगे। प्रभात फेरी में रंजीत सिंघ,अमरीक सिंघ, अमरजीत सिंघ, रविंदरपाल सिंघ, मनप्रीत सिंघ, जसमीत सिंघ, हरविंदर सिंघ, भुप्रीत सिंघ, गुरविंदर सिंघ, कमलप्रीत सिंघ, सरबजीत सिंघ, जगप्रीत सिंघ, परमजीत सिंघ, इंदरपाल सिंघ आदि ने सहयोग किया।

मशीन ले जा रहा ट्रक हुआ हादसे का शिकार,चालक की हुई मौत

टिहरी। उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जद्दोजहद नौवें दिन भी जारी है। लेकिन श्रमिकों तक पहुंचने की चुनौतियां कम होती नहीं दिख रही है। नरेंद्रनगर से ट्रक हादसे की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है ट्रक में रेस्क्यू में इस्तेमाल की जाने वाली मशीन थी जो देहरादून से उत्तरकाशी पहुंचाई जा रही थी। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी गोपाल दत्त भट्ट ने बताया कि नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र गुजराड़ा के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस दौरान ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को खाई से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान चालक की मौत हो गई। जबकि ट्रक के भी परखच्चे उड़ गए और मशीन भी क्षतिग्रस्त हो गई है। माना जा रहा है ट्रक में सुरंग में फंसे श्रमिकों के रेस्क्यू के लिए पहुंचे रोबोट से जुड़ी मशीनरी मौजूद थी। ट्रक चालक की पहचान गौरव कुमार के रूप में हुई है।

योगी सेना ने थानाध्यक्ष का किया स्वागत

गदरपुर(उद संवाददाता)। राष्ट्रीय योगी सेना के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष निपुण गगनेजा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर नव नियुक्त थानाध्यक्ष भुवन जोशी का फूल मालाओं और स्मृति चिन्ह भेंट कर जोरदार स्वागत किया । निपुण गगनेजा ने कहा, नवनियुक्त थानाध्यक्ष भुवन जोशी एवं पुलिस टीम का क्षेत्र में शांति व्यवस्था के अलावा अपराधों एवं नशा मुक्त समाज बनाए जाने के लिए उनकी टीम हर संभव सहयोग करेगी । वहीं थानाध्यक्ष भुवन जोशी ने कहा कि पुलिस टीम, सामाजिक संस्थाओं और जन सहयोग से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रहे ऐसा उनका प्रयास रहेगा । उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया।इस मौके पर योगी सेना के नगर अध्यक्ष हरीश रलहन,नगर उपाध्यक्ष अमित सेतिया,राजू वाधवा, मान सिंह, देवी दास,राकेश बठला,मनजीत सिंह गुलाटी, हैप्पी चंदा आदि शामिल रहे ।

स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बनभूलपुरा थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को अवैध स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी के नेतृत्व में चेकिंग कर रही पुलिस टीम ने चोरगलिया रेलवे फाटक के पास गफूर बस्ती में संदिग्ध रूप से घूमते एक व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता इमरान उर्फ पिद्दी पुत्र सलीम निवासी गफूर बस्ती वार्ड 24 निकट रेलवे फाटक चोरगलिया रोड बनभूलपुरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 6.60 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि इमरान के खिलाफ पूर्व में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने इमरान को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया।पुलिस टीम में थाना अध्यक्ष नीरज भाकुनी सहित उपनिरीक्षक शंकर नयाल, कांस्टेबल मुन्ना सिंह व परवेज अली शामिल थे।

पेज एक का शेष...

सुरंग में पहुंचा ..फूड पाइप मजदूरों तक पहुंचा दिया। देर शाम इसी पाइप से उन्हें खाने के लिए खिचड़ी और मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर भेजे गए। मंगलवार को इंडोस्कोपिक कैमरे के जरिये टनल के भीतर की स्थिति का जायजा लिया गया। जहां सभी मजदूर सुरक्षित दिखाई दिए। मजदूरों को पाईप के जरिये फल भी भेजे गये। अब विशेषज्ञों की निगरानी में मजदूरों को निकालने के लिए पाइप डालने का काम तेज हो गया है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर रेस्क्यू अभियान के बारे में मुख्यमंत्री से फोन पर जानकारी ली। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सभी एजेंसियां, इंजीनियर, तकनीशियन और विशेषज्ञ इस पर काम कर रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत से अब छह इंच की पाइपलाइन के माध्यम से भोजन भेजा जा रहा है। यह निश्चित रूप से हमारे लिए उत्साहजनक है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि बचाव अभियान जल्द से जल्द समाप्त होगा और हमारे सभी कार्यकर्ता सुरक्षित बाहर आएंगे। प्रधानमंत्री हर दिन विवरण एकत्र कर रहे हैं और हमें हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। रेस्क्यू अभियान के तहत अमेरिकन ऑगर मशीन का संचालन फिर शुरू हो गया है। 22 मीटर पाइप पहले ही डाला जा चुका है। कंपन को रोकने के लिए 900 एमएम डाया के पाइप के अंदर अब 800 एमएम के काम डाया के पाइप डाले जा रहे है, जिससे अब रेस्क्यू के गति पकड़ने की उम्मीद है।

प्रतिबंधित नशे के ...पास, ट्रांजिट कैम्प बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 14 अदद नशीले इन्जेक्शन की शीशियां बरामद हुई । उसने बताया कि यह इन्जेक्शन लोगों द्वारा नशा करने के लिए उपयोग किये जाते हैं। पुलिस ने बरामद इंजेक्शन कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के बाद नशा तस्कर विजय विश्वास को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

हिमांचल में ..जाएंगी। इसके बाद उनसे काम शुरू होगा। दो से तीन दिन में वह 41 मजदूरों तक पहुंच जाएंगे। एसजेवीएनएल को सुरंग बनाने में खास महारत हासिल है। कंपनी ने हिमाचल प्रदेश में 1500 मेगावाट क्षमता का नाथपा झाकड़ी जलविद्युत परियोजना बनाई है, जिसमें देश की सबसे लंबी 27.3 किलोमीटर सुरंग बनाई गई है। इस सुरंग का व्यास 10.15 मीटर है। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि ये देश की सबसे लंबी सुरंग है।

सीएम का सपना सच करने...नवनीत पांडे ने पैदल ही चलने की बात कही। यह देख डीएम पांडे के साथ मौजूद प्रशासनिक अधिकारी इधर-उधर झांकने लगे। जिस पर डीएम पैदल ही सीमांत गांव बकोड़ा को चल दिए। फिर क्या था आगे आगे डीएम और पीछे-पीछे पूरा प्रशासनिक अमला चल दिया। जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने दूरस्थ गांव आली , मथरपला, बकोड़ा ,गैर गोष्ट ,बड़ा आदि गांवों का पैदल ही भ्रमण किया और लोगों की समस्याओं को सुना। इस दौरान डीएम ने प्राथमिक विद्यालय व जूनियर हाई स्कूल बकोड़ा का भी निरीक्षण किया। साथ ही डीएम ने आंगनबाड़ी केंद्र को भी देखा। ग्रामीणों ने बताया कि लादिया नदी के कारण लगातार भू कटाव हो रहा है। साथ ही डीएम ने विद्युत, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि समस्याओं को सुना और ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि जल्द ही वन विभाग की भूमि को हस्तानांतरण की कार्रवाई के बाद सड़क का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान जिलाधिकारी ने गांव के एक बुजुर्ग व्यक्ति को शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। जिलाधिकारी को दूरस्थ गांव में देखकर गांव के लोग खुशी से झूम उठे। जनप्रतिनिधियों ने डीएम को बताया कि सड़क न होने के कारण ग्रामीणों को दिक्कत होती है। यहां तक की अनाज इत्यादि शहर नहीं पहुंच पाता। जिस पर डीएम ने तत्काल ही पीडी वन विभाग अन्य अधिकारियों के साथ मामले की जानकारी ली और तुरंत कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही डीएम नवनीत पांडे ने एसडीएम तहसीलदार को आदेश दिया कि प्राथमिकता के साथ गांव की सभी समस्याओं का निराकरण किया जाए।

सात किमी हॉटमिक्स...तस्वीर बदलने वाली है। हमारा प्रयास पूर्ण मनोयोग से तेज गति से विकास कार्य करने का है और जिसके लिये हम लगातार लगे हुए हैं । इस दौरान प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, मंडी चेयरमैन के के दास, भाजपा नेता सुरेश कोली, रामप्रकाश गुप्ता, नेत्रपाल मौर्य, शालनी बोरा, धीरेश गुप्ता, राधेश शर्मा, सशील गाबा, सुनील यादव, दिवाकर पांडेय , अनमोल विर्क, मयंक कक्कड़, विकास सागर, सुनील सागर, रमेश पाल, जितेंद्र संधू, रोबिन विश्वास, मनोज मदान, देव मेनन, नमन चावला, शिव कुमार शिब्बू व अन्य लोग मौजूद रहे।

ट्रिब्यूनल कोर्ट में याचिका दायर करेगा शिक्षा विभाग

देहरादून(उद संवाददाता)। अपनी मांग को लेकर शिक्षक संघ काफी समय से आंदोलन कर रहा है। इसी बीच राजकीय शिक्षक संगठन के द्वारा शिक्षकों की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन को लेकर शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी के द्वारा राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई है। अपनी मांगों को लेकर चल रहे शिक्षकों के आंदोलन को लेकर आज शिक्षक महानिदेशक ने राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में कई मांगो पर सहमति बनी है। खास बात ये है कि एलटी से प्रवक्ता पदों पर प्रमोशन को लेकर जो रोक ट्रिब्यूनल कोर्ट के द्वारा लगाई गई है उस रोक को हटाने लेकर शिक्षा विभाग के द्वारा ट्रिब्यूनल कोर्ट याचिका दायर की जाएगी। ट्रिब्यूनल कोर्ट में रोक को हटाने के लिए शिक्षा सचिव रविनाथ रमन ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीमा जौनसारी को अधिकृत किया है। कल शिक्षा विभाग के द्वारा याचिका दायर कर दी जाएगी। इसके साथ ही बैठक में अंतर मंडलीय ट्रांसफर किए जाने का भी आदेश दो दिन के भीतर किए जाने का आश्वासन मिला है। वहीं शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी के साथ प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में दो महत्वपूर्ण बिंदुओं पर शिक्षक संघ को आश्वासन मिला है। जिसके तहत 5400 ग्रेड पे के शिक्षकोंको राजपत्रित घोषित किए जाने को लेकर दो दिन के भीतर आदेश जारी होने का आश्वासन दिया गया है।

खोखे में अवैध शराब बेचता गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत रात्रि आदर्श कालोनी चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर खोखे में अवैध शराब बेचते व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार कानि. दिनेश सिंह व पीआरडी कर्मी सुखवंत सिंह गश्त करते बंगाली कॉलोनी पहुंचे तो मुखबिर की सूचना पर पास ही स्थित खोखे के समीप पहुंचे जहां एक व्यक्ति खोखे में शराब बेचता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे तत्काल पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता किशोर पाल पुत्र कानू पाल निवासी आदर्श इन्दिरा बंगाली कॉलोनी बताया। तलाशी लेने पर उसके बगल में रखे कट्टे में कुल 33 पाउच अवैध शराब के बरामद हुए।

एक्सपायरी वैक्सीन लगाने से नवजात बच्ची की मौत

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताकुला में नवजात को एक्सपायरी वैक्सीन लगा दी। जिसके बाद मासूम की तबियत बिगड़ गई। हालत बिगड़ता देख मासूम को बेस अस्पताल के एनआईसीयू में भर्ती कराया है।जानकारी के अनुसार विरेंद्र सिंह निवासी ताकुला अपनी पत्नी विमला देवी को लेकर प्रसव के लिए बुधवार को ताकुला लाए थे। जहां महिला ने सामान्य प्रसब के बाद स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। गुरुवार को स्वास्थ्य कर्मियों ने नवजात को टीका लगाया। जब बच्ची के पिता की नजर वैक्सीन पर पड़ी तो वो हैरान रह गए।दरअसल जो टीका उन्होंने नवजात को लगाया था उसकी उपयोग की अवधि 23 दिन पहले ही खत्म हो गई थी। इसकी तस्वीर वीरेंद्र ने अपने फोन में ले ली। किसी तरह स्वास्थ्य कर्मियों ने विरेंद्र को उस समय समझाकर जच्चा-बच्चा को डिस्चार्ज कर दिया मगर चार दिन बाद नवजात की हालत बिगड़ गई। बच्ची की हालत बिगड़ने के बाद उसे च्भ्ब लाया गया। जहां से परिजन उसे ऑक्सीजन सिलिंडर के सहारे लेकर बेस अस्पताल पहुंचे। बताया जा रहा है बच्ची को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। बच्ची की हालत गंभीर देख उसे छप्ब्- में भर्ती किया गया है। जानकारी के मुताबिक चिकित्सकों ने बताया की बच्ची की हालत लगातार बिगड़ रही है। वहीं मामले को लेकर जिम्मेदारी अधिकारी जवाबदेही से बच रहे हैं। जानकारी के अनुसार मामले को लेकर सीएमओ डॉ आरसी पंत का कहना है कि मामले की जानकारी मिल गई है। स्पष्टीकरण लिया जाएगा। लिखित शिकायत मिलेगी तो जांच जरूर की जाएगी।

बाईक चालक के विरूद्ध केस दर्ज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बाईक से टक्कर के बाद एक व्यक्ति की हुई मौत के मामले में मृतक के पुत्र ने बाईक चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया है। दर्ज रपट में विकास पुत्र स्व. हरवंश सिंह निवासी ग्राम गरगईया, थाना देवरनियां, बहेड़ी, बरेली ने कहा है कि उसके पिता हरवंश सिंह सांई इंडस्ट्रीज में कार्य करते थे। 30 अक्टूबर को सायं वह पैदल ड्यूटी पर जा रहे थें। इसी दौरान किच्छा रोड भदईपुरा बिजलीघर के पास एक मोटरसाईकिल संख्या यूके 06ए डब्लू 0861के चालक ने रोड किनारे खेलते हुए एक बच्चे को बचाने के प्रयास में उसके पिता को टक्कर मार दी। जिससे उसके पिता के सिर में गम्भीर चोटें आई। मौके पर मौजूद लोगों ने पिता को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। किंतु अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही उनकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने अज्ञात बाईक चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

SAMSUNG
गुरू माँ
Galaxy
Tab S9 Series
samsung.com
Own now at ₹ 60999*
Up to ₹ 12000
HDFC Bank Cashback
Samsung upgrade
bonus of ₹ 3000*
No cost EMI Up to 24 months#*
HDFC BANK
Secured by Knox
Galaxy Z Flip5
Own now at ₹ 3379/month*
Galaxy S23 FE
Galaxy Z Fold5
Own now at ₹ 5237/month*
Own at
₹ 67 per day*
SAMSUNG SMART PLAZA
Guru Maa Enterprises
No D1 & D2, opposite Guru Maa Dental Clinic,
Civil Lines, Rudrapur, Uttarakhand 263153 Contact: 070390 02656
Cheema Chauraha, Ramnagar Rd, opp. HDFC Bank,
Kashipur, Uttarakhand 244713 Contact: 070390 02648
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
आधार लाये, उधार ले जाएँ
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*
EASY EMI
OPTION AVAILABLE
सेल्स एवं सर्विस हेतु कॉल करें - 8791989500, 9927882338 उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन